



केन्द्रीय विद्यालय अल्हीलाल छावनी तहसील बैजनाथ जिला काँगड़ा हि .प्र.

Kendriya Vidyalaya Alhilal Cantt.P.O Taragarh Tehsil Baijnath
Distt. Kangra H.P.



केन्द्रीय विद्यालय अल्हीलाल छावनी तहसील बैजनाथ जिला काँगड़ा हि .प्र.

वार्षिक विद्यालय पत्रिका सत्र (2021-22)

Chief Patron :- Mr.S.S. Chauhan(Deputy Commissioner)

Patron :- Mrs. BimlaVerma(In charge Principal)



Editorial Board



Hindi Department:-

1. Mrs. Bimla Verma
2. Mrs. Sarla Dhanotia
3. Mrs. Surendera kumari
4. Mrs. Alka Rani

English department:-

1. Mrs.TarishiVerma
2. Mrs. Anita
3. Mrs.Jyoti

Student Editors:-

1. Kanupriya(Hindi)
2. Riya Pathania (English)
3. Aayushman (Sanskrit)

DEPUTY COMMISSIONER'S MESSAGE



प्रिय पाठक वृन्द ,

मुझे यह जान कर प्रसन्नता हो रही है कि विद्यालय की गतिविधियों ,छात्रों की प्रतिभा एवम् उनकी उपलब्धियों को उजागर करने हेतु विद्यालय में ई -पत्रिका प्रकाशित की जा रही है । जैसे कि हम जानते हैं कि वैश्विक महामारी के इस दौर में जहाँ समस्त विश्व अलग -थलग पड़ गया है ऐसे समय में यह आवश्यक है कि हम छात्रों का समय -समय पर मार्गदर्शन करते रहें उन की प्रतिभा को पहचाने । वे विद्यालय के वातावरण से अपने को जुड़ा हुआ पाए इसलिए यह आवश्यक हैं कि उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विद्यालय से जोड़े रखें । विद्यालय ई - पत्रिका के इस उद्देश्य हेतु एक सार्थक पहल है । पत्रिका द्वारा वे न केवल अपने-आप को विद्यालय से जुड़ा हुआ पाएंगे अपितु अपनी रंग-बिरंगी कल्पनाओं को साकार रूप भी दे सकेंगे ।

पत्रिका के प्रकाशन के लिए विद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ और विश्वास करता हूँ कि इस प्रकार की गतिविधियों से आप छात्रों की सृजनात्मकता को मूर्त रूप दे सकेंगे । ,

सरदार सिंह चौहान

उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय ,गुरुग्राम

Chairman's message

Brig Ashish Kumar Singh
Commander



मुख्यालय
३९ पर्वतीय तोपखाना ब्रिगेड
मार्फत ३९ प. पी. ओ.
Headquarters
39 Mountain Artillery Brigade
PIN 926939
C/o 56 APO

CHAIRMAN'S MESSAGE

KV, Alhila is one of the leading and most sort after school imparting quality education at an affordable cost. The vision of the school is to 'Educate, Enlighten and Empower' which has been tested over the last 30 years and has proved to be effective and successful time and again; accepted and appreciated by the community. The school which had a humble beginning in Jun 1992 today has got more than 458 students.

As we complete 30 years of yeomen service what comes to my mind is that "Success comes to those who work hard and stays with those who don't rest on the laurels of the past". We live today in a world that is so very different from the one we grew up in, the one we were educated in. The world today is changing at such an accelerated rate and we as educators need to pause and reflect on this entire system of Education. Are our schools well equipped to prepare our children to face challenges that the future holds? Question such as these are factors that motivate us to go through a continuous process of reflection and hence we at KV work at implementing a well balanced curriculum to ensure that children who walk in the portals of our schools will not just love their school years but truly be prepared to face life's challenges. It was Margaret Mead who said "Children must be taught how to think, not what to think".

Aristotle once said that "Educating the mind without educating the heart is no education at all". Even as we impart education to match the advancement in technology and globalization, we march our children ahead with KVs ethos of moral values and principles. We endeavour constantly to install these qualities in our children. We pride ourselves to help them grow and develop into sensitive and responsible citizens of the future.

We fortunately have committed and supportive management, dedicated teachers, caring and cooperative parents, which blend harmoniously to create a child-centric School, at KV. It is natural to find in this ambience, the intensive use of a variety of thinking activities, strategies and group dynamics so that the classroom becomes alive.

I convey my sincere wishes to the Principal and entire staff. I'm sanguine that the school will grow by leaps and bounds in the years to come.


(Ashish Kumar Singh)

Brigadier

Commander

Principal's Message:-



प्राचार्या की ओर से

केन्द्रीय विद्यालय अल्हीलाल के नवोदित कवियों व लेखकों के रूप में पल्लवित-पुष्पित होकर भाव रूपी सागर की लहरों सा उमड़ता हुआ, भाव, बुद्धि और ज्ञान की त्रिवेणी के रूप में आपको भेंट करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

छात्रों के रचना-कौशल संवर्धन हेतु विद्यालय पत्रिका एक प्रयास है। हमारी कामना है कि पत्रिका के माध्यम से हमारे छात्रों की रचि परिष्कृत होगी तथा उनके भावों की अभिव्यक्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। मैं निःसंकोच यह उदघोष कर सकती हूँ कि हम शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान चक्षुओं को उस ज्योति की ओर घुमा सकते हैं जो उनके अन्तः में पहले से ही विद्यमान है। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान को विकसित करना है जो उनकी अन्तर्त्मा में अन्तर्निहित है।

अभिव्यक्ति ईश्वरीय प्रदत्त वरदान है। विद्यालय की नव पीढ़ी के मन-मस्तिष्क में साहित्य सुकुमार भावों, विचारों और संवेदनाओं की संवाहिका यह विद्यालय पत्रिका छात्रों के लेखन-प्रतिभा को पनपने उजागर करने व विकसित करने के लिए एक विस्तृत धरातल प्रदान करती है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने व उनके व्यक्तित्व विकास को पीखने का सुअवसर प्रदान करती है। यही इस विद्यालय पत्रिका का मूल उद्देश्य है। यह पत्रिका इसी आत्म-विस्तार, आत्म विकास और आत्माभिव्यक्ति का माध्यम है।

वर्तमान वैज्ञानिक एवं कम्प्यूटर युग की आवश्यकतानुसार ज्ञान के अजय स्रोत प्रवाहित हो रहे हैं। छात्रा पूर्णरूपेण सक्षम हो, सकारात्मक सोच के साथ प्रगति के अनगिनत द्वार खोल, उन द्वारों की चौखट को संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों सहित पार कर मंजिल को प्राप्त करे ऐसा परिवेश प्रदान करना ही केन्द्रीय विद्यालय अल्हीलाल का लक्ष्य है। विद्यालय पत्रिका आपके हाथों में सँपते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से छात्रों के मानस ही सरलतम रचनात्मक तथा भावाभिव्यक्ति को निखारने का प्रयास किया गया है। इस पत्रिका में प्रकाशित नन्हें रचनाकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ और सम्पादक मण्डल के सदस्यों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग देने वालों का धन्यवाद व्यक्त करना अपना पुनीत कर्तव्य समझती हूँ।

अंत में, मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के अग्रणी आयुक्त श्री संतोष मल का उचित मार्ग दर्शन हेतु हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। इसके साथ मैं श्री एस० एस० रावत, आयुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन, गुरुग्राम संभाग के दिग्दर्शन हेतु अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ। अगर मैं विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष का मार्ग दर्शन हेतु आभार व्यक्त करूँ तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। मेरी शुभकामनाएँ हैं कि विद्यालय दिनों-दिन प्रगति करते हुए विद्यार्थियों के सफल-सुखद भविष्य का निमित्त बने तथा विद्यार्थियों की लेखनी से निस्सृत शब्दाभिव्यक्ति सबके मन मस्तिष्क को उद्देलित करे।

“छात्रों के लिए”

रास्ता भी हमारा है, मंजिल भी हमारी है, हर मुश्किल आसां है, गर कोशिश जारी है।
आकाश से धरती पर, तारे ले आयेगे, परिश्रम से जीवन में बहार ले आयेगे ।

Mrs. Bimla Verma
Incharge Principal

Kendriya Vidyalaya Alhilal Cantt

Achievements of Vidyalaya:-



KENDRIYA VIDYALAYA ALHILAL(H.P)
C.B.S.E Achiever of 2021

		
AASHIMA SHARMA 07.09.2019	KANU PRIYA 07.09.2019	DEEPANKAR 07.09.2019
482.500 96.4% 1st Position	473.500 94.6% IInd Position	469.500 93.8% IIIrd Position

✦ 4 students Above 90% Marks
 ✦ 14 students obtained more than 75%

Laureates Of The Vidyalaya

Kendriya Vidyalaya Alhilal Cantt.

A Bird's Eye View of Vidyalaya

Kendriya Vidyalaya Alhilal Cantt. Was established in 1992. At present there are 421 Students and 24 Permanent employees to guide them in imparting quality education.

Activities and achievements In Academics



हिन्दी

विश्वास

यह स्कूल बहुत याद आएगा

बीत चुका है वक्त यहाँ,
वो वक्त लौटकर आएगा,
ये स्कूल बहुत याद आएगा।
वो बोरिंग सी पढ़ाई,
वो छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई
वो टेस्ट का कैंसिल हो जाना
वो टीचर का एब्सेंट हो जाना
एक अप्रत्याशित छुट्टी का मिल जाना
वो टीचर का किसी स्कूल के काम में फस जाना।
यह बीते पल जब याद करेंगे हम बाद में
हमारे चेहरे पर मुस्कराहट ले आएगा
यह स्कूल बहुत याद आएगा।

कनुप्रिया - बारहवीं

विद्यालय

देखो कितना प्यारा है ये

कितना सुंदर न्यारा है ये

सब बच्चों को लगता न्यारा

कितना प्यारा प्यारा है ये।

रंग बिरंगे चित्र यहां पर

और संगीतमय वातावरण है

बच्चों का प्यारा न्यारा

सबका प्यार है विद्यालय है ये।

यहां पर हर विषय है पढ़ाते

यहां पर हर खेल है खेलाते

हर दिन कुछ नया है कराते

सब बच्चे खुशी से खिलखिलाते।

सबको लगता कितना प्यारा

सबका प्यारा विद्यालय है ये।

निशा देवी - दसवीं

वो बचपन

वो बचपन भी कितना सुहाना था,

जिसका रोज एक फसाना था।

कभी बिना आँसू रोने का,

तो कभी बात बनवाने का बहाना था।

कभी पापा के कंधों का

तो कभी मां के आंचल का सहारा था।

वो जरा सी बात पर झगड़ना

और गलतियों पर बेलन पढ़ना

वो धूप में साइकिल चलाना

और घर आकर बीमार पड़ जाना।

कभी नंगे पांव दौड़ का

तो कभी पतंग ना पकड़ पाने का पछतावा था

सच कहूं वह दिन ही हसीन थे

ना कुछ छिपाना और दिल में जो आए बताना था।

दीपिका - 12वीं

कविता के बहाने

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने

कविता एक उड़ान धरती चिड़िया बया जाने।

बाहर - भीतर

इस घर उस घर

कविता के पंख लगा उड़ने के माने

चिड़िया क्या जाने?

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने

कविता एक खिलना है भला फूल क्या जाने।

बाहर - भीतर

इस घर उस घर

बिना सुरदाए महकने के माने

फूल क्या जाने ?

कविता एक खेल है बच्चों के बहाने

बाहर - भीतर

घर घर बह घर

जब घर एक घर होने के माने

बच्चा ही जाने।

अंशिका — चारहवीं

छोटा मेरा खेत

छोटा मेरा खेत चौकोना
 कागज का एक पन्ना
 कोई अंधड कहीं से आया
 क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
 कल्पना के रसायनों को पी
 बीज गल गया निःशेष,
 शब्द के अंकुर फूटे
 पल्लव - पुष्पों से नमित हुआ विशेष
 घूमने लगे फल
 रस अलौकिक
 अमृत धाराएँ फूटतीं
 रोपाई क्षण की
 कटाई अनंतता की
 लुटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।
 रस का अक्षय पात्र सदा का
 छोटा मेरा खेत चौकोना।

भूमिका - चारहवीं

मेहनत का फल मीठा

किस्मत अपनी लिखवा कर आते हैं सब
पर कुछ अपनी किस्मत खुद बनाते हैं।

अपनी मेहनत और लगन से
लक्ष्य निश्चित कर उसे पाते हैं।

पर कुछ ऐसे भी बदनसीब होते हैं
जो अपने ही हाथों अपनी तकदीर बिगाड़ते हैं।

खुशियों के जो फूल होते हैं उनकी राहों में
उन्हें अनदेखा कर आगे बढ़ जाते हैं।

देर सवेर जब गलती का अपनी होता है एहसास
और मुड़कर देखते हैं जब उस राह को
तो मुरझाए हुए फूलों के सिवा कुछ भी नहीं होता पास।

शरण्या पठानिया - छठी

मेरे प्यारे पापा

“ कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान “

पापा हर फर्ज निभाते हैं
जीवन भर कर्ज़ चुकाते हैं।
बच्चे की एक खुशी के लिए
अपने सुख भूल जाते हैं।

फिर क्यों ऐसे पापा के लिए
बच्चे कुछ कर ही नहीं पाते हैं।
ऐसे ही सच्चे पापा को क्यों
पापा कहने से भी संकुचाते हैं ।

पापा का आशीष बनाता है
बच्चे का जीवन सुखदाई।
पर बच्चे भूल ही जाते हैं
यह कैसी आंधी है आई ।

जिससे सब कुछ पाया है
जिसने सब कुछ सीख लाया है।
कोटी नमन ऐसे पापा को
जो हर पल साथ निभाता है।

प्यारे पापा के प्यार भरे
सीने से जो लग जाते हैं।
सच कहता हूँ विश्वास करो

जीवन में सदा सुख पाते हैं। आरव - पाँचवीं

माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ
खुशियां देती सारी माँ।
चलना हमें सिखाती माँ
मंज़िल हमें दिखाती माँ।
सबसे मीठा बोल है माँ
दुनिया में अनमोल है माँ।
खाना हमें खिलाती माँ
लोरी गाकर सुलाती है माँ।
प्यारी जग से न्यारी माँ
खुशियाँ देती सारी माँ।

नमन – सातवीं

मेरे पिताजी

मेरे पिताजी दुनिया के सबसे प्यारे पिताजी हैं।

मेरे पिताजी का नाम निर्मल ठाकुर है।

मेरे पिताजी मेरे सच्चे मार्गदर्शक और दोस्त हैं।

वह हमारे परिवार के सभी सदस्यों से बहुत प्यार करते हैं।

मेरे पिताजी मुझे जीवन में आगे बढ़ाने की सलाह देकर मेरा हौसला बढ़ाते हैं।

मैं हमेशा उनका आदर करता हूँ।

(परीक्षित ठाकुर कक्षा 4)

पहेलियां

फूलभी हूँ, फल भी हूँ, और हूँ मिठाई, तो बताओ क्या हूँ मैं भाई।

(गुलाब जामुन)

वह कौन सी चीज है जिसे भूख लगे तो खा सकते हैं प्यास लगे तो पी सकते हैं।

(नारियल)

वह क्या है जिसके पास चार टांगे तो है पर फिर भी वह चल नहीं सकता।

(मेज)

वह क्या चीज है जो थूप में आपके पास होती है, लेकिन छांव में नहीं।

(परछाई)

हरी हरी मछली के हरे हरे अंडे जल्दी से पूछो पहेली वरना पड़ेंगे डंडे।

(मटर)

रिद्धि

माँ

घुटनों से रेंगते रेंगते,
कब पैरों पर खड़ी हुई।

तेरी ममता की छाया में,
जाने कब बड़ी हुई।

काला टीका दूध मिलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है।

प्यार यह तेरा कैसा है,
सीधी सीधी भोली-भाली में ही सबसे प्यारी हूं।

कितनी भी हो जाऊं बड़ी,
मां! मैं आज भी तेरी बच्ची हूं।

तनिष्का (कक्षा 7, रमन हाउस)

शिक्षक

शिक्षक कभी डांट डपट कर प्यार जताया ,
कभी रोक- टोक कर चलना सिखाया।

कभी काली स्लेट पर चोक से,
उज्ज्वल भविष्य का सूरज उगाया ।

कभी ढाल बनकर हाल मुश्किल से बचाया,
कभी हक के लिए लड़ना सिखाया ।

कभी गलती बता कर तो कभी गलती छुपा कर,
एक सच्चे गुरु का फर्ज निभाया ।

कभी माता-पिता बन दी सलाह,
कभी दोस्त बन हौसला बढ़ाया ।

आज कहते हैं उन टीचर्स को बड़ा सा थैंक यू,
जिन्होंने हमें इस काबिल बनाया।।

रिया पठानिया

(कक्षा बारहवीं)

मेरा देश

मेरा देश ,प्यारा देश ।

सब देशों से न्यारा देश ॥

सोने की चिड़िया कहलाता।

ऐसा प्यारा- प्यारा देश ॥

इसकी आन इसका मान ।

सदा बढ़ाना इसकी शान॥

सदा चलना तुम सच्ची राह ।

जिस से बड़े देश की शान ॥

मेरा देश ,प्यारा देश।

सब देशों से प्यारा देश॥

सोने की चिड़िया कहलाता ।

ऐसा प्यारा प्यारा देश॥

जय हिंद, जय भारत।

(सानवी ठाकुर ,कक्षा चौथी)

कोशिश कर

कोशिश कर हल निकलेगा, आज नहीं तो कल निकलेगा ।
अर्जुन सा लक्ष्य रख, निशाना लगा, मरुस्थल में भी फिर जल निकलेगा।

मेहनत कर, पौधों को पानी दे, बंजर में भी फिर पर निकलेगा।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे, फौलाद का भी बल निकलेगा ।

सीने में उम्मीदों को, जिंदा रख समुद्र में भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिश कर, हल निकलेगा, आज नहीं तो कल निकलेगा ।

आदित कुमार(कक्षा 4)

छोटा मेरा खेत

छोटा मेरा खेत चौकोना

कागज का एक पन्ना

कोई अंधड कहीं से आया

क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया निःशेष ,

शब्द के अंकुर फूटे

पल्लव - पुष्पों से नमित हुआ विशेष

घूमने लगे फल

रस अलौकिक

अमृत धाराएँ फूटतीं

रोपाई क्षण की

कटाई अनंतता की

लुटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।

रस का अक्षय पात्र सदा का

छोटा मेरा खेत चौकोना।

भूमिका - चारहवीं

मेहनत का फल मीठा

किस्मत अपनी लिखावा कर आते हैं सब
पर कुछ अपनी किस्मत खुद बनाते हैं।

अपनी मेहनत और लगन से
लक्ष्य निश्चित कर उसे पाते हैं।

पर कुछ ऐसे भी बदनसीब होते हैं
जो अपने ही हाथों अपनी तकदीर बिगाड़ते हैं।

खुशियों के जो फूल होते हैं उनकी राहों में
उन्हें अनदेखा कर आगे बढ़ जाते हैं।

देर राखेर जब गलती का अपनी होता है एहसास
और मुड़कर देखते हैं जब उस राह को
तो मुरझाए हुए फूलों के सिवा कुछ भी नहीं होता पास।

शरण्या पठानिया - छठी

English Department

Don't Quit

FOR THE LAST TEN YEARS WE BARK AT EVERYONE: A FACT

One day, God created the dog and said, "Sit all day near the door of the house and bark everyone who comes in or walk fast. For this, I shall give you a lifespan of twenty years". The dog said, "That is a long time for barking. How about ten years and I will give you back the other ten? God agreed. On the next day, God created the monkey and said, "Entertain people, do tricks and make them laugh. For this, I shall give you a twenty years lifespan". The monkey said, "monkey tricks for twenty years lifespan? That is pretty long time to perform. How about I give you back ten years like the dog did? God agreed. On the next day God created the cow and said, "You must go in to the field with the farmer all day long and suffer under the sun, have calves and give milk to support the farmer family. For this, I shall give you a life span of sixty years." The cow said, "That will be a tough life for me to live for sixty years. How about twenty years and I shall give back the other forty?" God agreed again. Next day, God created man and said, "Eat, sleep, play, marry and enjoy your life. For this I shall give you a twenty years." But man said, "could you possibly give me my twenty, the forty the cow gave back, the monkey's ten years and the dog ten years; that makes eighty? God agreed. That is why the first twenty years we eat, sleep, play and enjoy ourselves. For the next forty years we work hard in the sun to support our family. For the next ten years we do monkey tricks to entertain our grandchildren. And for the last ten years we sit on verandah and bark at everyone.

Aditya Thakur Class 9th

What is life

Life is a dream just flowering as a stream,



*Life is a sorrow
So don't depend on tomorrow*



*Life is a play
To reach goal, its only way*



*Life is a bird nest
In which there is no rest*



*Life is a war
Its aim is so far
So enjoy this life , oh! Active boy*



*Life is a contest
In which no east or west
Life is happiness
So be happy
Otherwise it would be useless*

Nidhi Dhiman Class 7th

MY CLASS

*My class is the best
 Do not think that it is jest.
 During class we rest,
 But when it is time for test,
 Everybody perform at his best.
 For each other we care,
 From pencil to book,
 Everything we share.....!*

Tanay Chauhan Class VIII

FATHER

*Oh! My dad,
 I am so glad,
 You know everything,
 You are like a king.
 But you are angry a lot,
 Like a bull in the do or die court.
 But you are so good,
 Ooo.....Dood,
 I know your favourite colour blue,
 And I will say I love you !*

AISHANYA, Class II

Back To School

Summer is over, fall is here

*Back to school for a brand new year!
Pack your things, on the bus you go.
Make new friends and say hello!
Reading, Writing, Learning more.
Than you ever did before!*

*Adding numbers..... 1, 2, and 3
So much to do, and learn and see!
I'm so glad to meet everyone.
Get ready for a year of fun!*

Anshul Thakur (class – VII)



Water

*Water is for irrigation,
Water is for new generation.
Water is for drinking,
Water is for cooking.
Water is for plant to grow,
Water is for sparrow and crow.
Water increases earth's beauty,
To save water is our duty*

*Tarvi
Class- VII*

"The foundation of every state is the education of the youth."

This line inspired me a lot. But what does education mean? I personally think that giving proper respect for one another is one of the most important values true education teaches us.

Without respect, everything around us would be less peaceful there would be more wars, more problems and less happiness. Being respectful is one of the key ingredients in becoming a better person. Can you imagine a teacher-students relationship without proper respect?

So, it is a prime duty of children to become more respectful towards their teacher, parents and other fellow being.

*"Respect for ourselves guides our moral,
Respects for others guides our manners"*

*Sanya Thakur
Class – IX*

Our Motherland

*Where I grew on bits of bread
Where I learned to speak my language
Where I have my friends and family
Where I have laughed and where I have grieved
Where I dwell with mirth and hope
Where gone day long to perish.*

Kritika thakur (class – VII)

TIME AND TIDE WAIT FOR NONE

Time is said to be eternal. It is said that it has neither a beginning nor an end. Yet, men are able to measure it as years, months, days, hours, minutes and seconds. They have also given meaning to the words – past, present and future. True, time has a meaning; it moves. What was yesterday is not today. What is today will not be for tomorrow. Time is said to have no holiday, it exists always.

Time is a free force. It doesn't wait for anyone. It is said that time and tide waits for none. It comes and goes. The only thing we can do is time management. Time management is the control and focus of person's actions for the purpose of efficiency. Efficiency is the maximum capacity to do some work in a given time. Time is very crucial and important factor in all the aspects as well as stages of life. Student's life is the formative period of one's life. So, it is very important to understand the importance of time management at early stage of life. We can never get back



the lost minute. The time flies and never returns. A minute is enough to win a victory. A fraction of second can make a difference of life and death.

Every moment brings with it thousands of golden opportunities. Therefore we must not allow such precious time to slip away. Those who do not know the importance of time either waste it or they spend it by doing nothing. There is a proverb which says that

'killing time is not a murder; it is a suicide.' The wise and intelligent make use of it fruitfully.

As we go through life, we realize that if there is anything in the world which will never come back, it is time. Once it crosses the threshold of past, it never returns to the present. To utilize the time fruitfully, we must plan. Unplanned living is the road to kill time. Planning and proper implementation of time always brings in success. Secondly, work must never be postponed, tomorrow may never, materialize. We can only be sure of present which is in our hands. Let us learn to use time fruitfully. It is the key of success.

Riya Class 8th

संस्कृत खंड

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

अर्थ : उस प्राण स्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे. अर्थात् सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के प्रसिद्ध पवणीय तेज का (हम) ध्यान करते हैं, वे परमात्मा हमारी बुद्धि को (सत् की ओर) प्रेरित करें.

गायत्री – पंचमुखी देवी है, हमारी पांच इंद्रियों और प्राणों की देवी मानी जाती है.

ॐ = प्रणव (वह शब्द, जिससे ईश्वर की अच्छी प्रकार से स्तुति की जाये – ॐ)

भूर = मनुष्य को प्राण प्रदान करने वाला

भुवः = दुःखों का नाश करने वाला

स्वः = सुख प्रदान करने वाला

तत = वह, सवितुर = सूर्य की भांति उज्ज्वल

वरेण्यं = सबसे उत्तम

भर्गो = कर्मों का उद्धार करने वाला

देवस्य = प्रभु

धीमहि = आत्म चिंतन के योग्य (ध्यान)

धियो = बुद्धि

यो = जो

नः = हमारी

प्रचोदयात् = हमें शक्ति दें (प्रार्थना)

रिया कुमारी

कक्षा- 6

प्रकृतिः

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
 बहूनाम् अपि फलानाम्
 बहूनाम् अस्ति वृक्षानाम्
 पुष्पानाम् चापि मानेयम्
 भ्रमराणाम्, पशूनां,
 पक्षिणाम् च मानास्ति
 जनेभ्यः जीवनम् सदा
 ददाति प्रकृतिः माता ॥
 अस्ति सा तु मनोहरी
 मातृणाम् अपि मातास्ति
 प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
 नमोस्तु ने मात्रे प्रकृत्यै ॥ ॥

इशिका ठाकुर

कक्षा - 7

मयूरस्य व्यथा

अहं मयूरो मम देहसौम्यम्।
 नृत्यामि दृष्ट्वा खलु खे च मेघान्।
 वाप्यां वने चोपवने कुटीरे
 सर्वत्र वासो मम सर्वदैव॥1॥

किन्तु प्रहारं समयस्य पश्य
 चिन्ता प्रकृत्याः न तथा खगानाम्।
 वृक्षान् हि छित्वा च सरांसि नष्ट्वा
 जनोऽनुदारः प्रति माम् कियाञ्च॥2॥

तन्नो कुटीरं न हि वाटिकाद्य
 ग्रामाद् बहिर्नैव वनं सरो न।
 नष्टाश्च भूताः सकलाः हि चैते
 आसन् सदैवाति मनोहराः ये॥3॥

बालाःपठिष्यन्ति च पुस्तकेषु
 शिख्यस्ति पक्षी खलु राष्ट्रियश्च।
 सदाऽऽगमिष्यन्ति हि जन्तुगेहे
 कृष धीमान् 8 TH

सामां

मां, मांत्वम्संसारस्यअनुपम्उपहार,
 नत्वयासदृशयकस्याःस्नेहम्,
 करुणा ममतायाःत्वम्मूर्ति,
 नकोऽपिकर्तुम्शक्नोतितवक्षतिपूर्ति ।
 तवचरणयोःममजीवनम्अस्ति,
 “मां”शब्दस्यमहिमाअपार,
 नमांसदृशयकस्याःप्यार,
 मांत्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार ।

वृषभ 7th

Glimpses Of Vidyalaya Activities

Vaccination Of Students



Art Exhibition

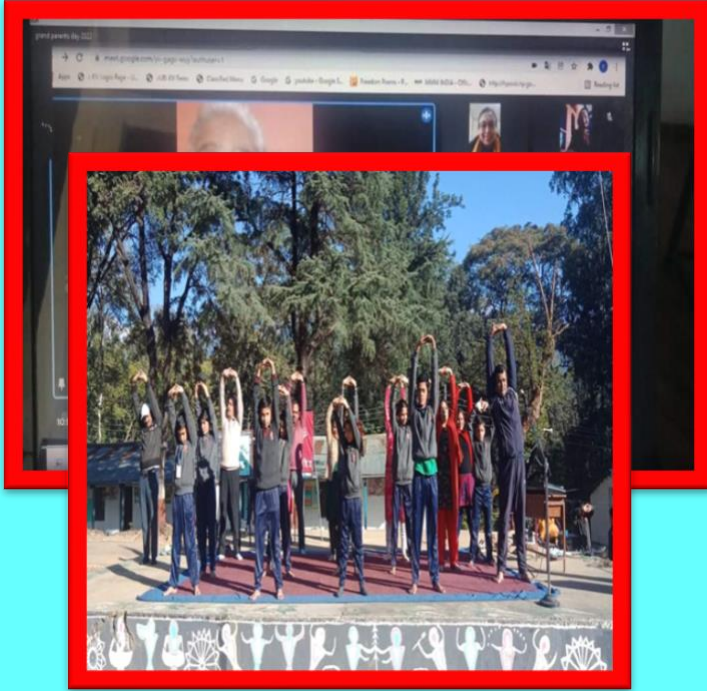


Annual Panel Inspection

Welcome by Incharge Principal

Address By Assistant Commisioner

Grand Parents Day Celebration



Co-curricular Activities



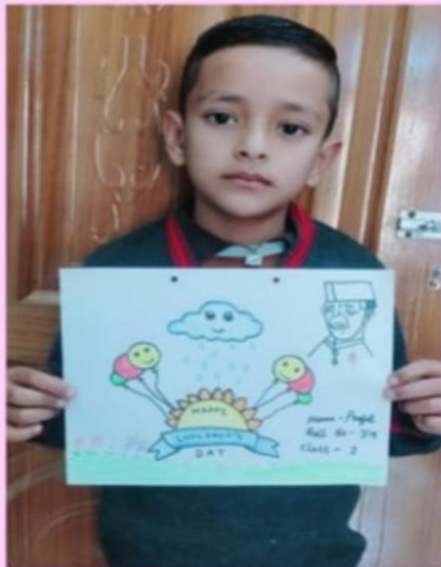
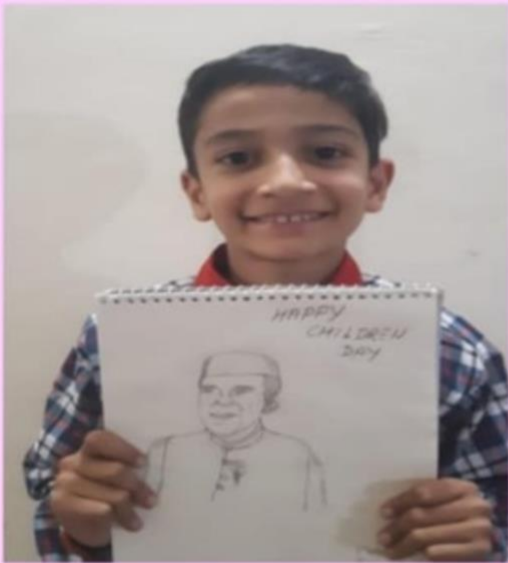


Funday Activities





CHILDREN'S DAY CELEBRATION



CO-CURRICULAR ACTIVITIES

GREETING CARD MAKING COMPETITION





Kendriya Vidyalaya Alhilal Cantt. Tehsil Baijnath Distt.
Kangra H.P.

E-Mail: kvalhilal2gmail.com

Ph.No.

Website: <http://alhilal.kvs.ac.in>

CBSE Affiliation No.- 600015